को कहते हैं मुझे याद करो तो तुम कब रोगी बिमार ना बनेंगे। यहां तो बाप बच्चों को [illegible] खुद मार जाते हैं तो कितना दुखी हो जाते। शरीर निर्वाह अर्थ सर्विस करनी पड़े। यह है ही दुख [illegible] बाप तो तुमको कोई तकलीफ नहीं देते। सिर्फ कहते हैं याद करो तो विकर्म विनाश हो जावेंगे। बाप और वर्से को याद करते रहो। बच्चा जानता है हम को बाप का वर्सा मिलना है तो भी अपना धन्धा थोड़ी जरूर सीखते हैं। वर्से के लिए बैठ तो नहीं जावेंगे। बाकी सिर्फ जो राजाई में जन्म लेते हैं वह वर्से के लिए बैठते हैं। बहुत दान पुन्य करने से राजाई घर में जन्म मिलता है तो राजाई ही संभालनी पड़े। वो तो राजाएं सब पतित हैं। अब तुमको तो पावन राजाओं पास जन्म लेना है। L.N के घर में वा सूर्यवंशीयों की राजाई में जन्म लेना है। वहां दुख होता नहीं। तुम सभी दुखों से छूटते हो। बाबा आकर छुड़ा देते हैं। अभी यह अन्तिम जन्म है। यह तो जन्म जन्मान्तर से तुम्हारी यह हालत होती आई है। गिरते ही आए हो। दुखधाम सुख धाम कहां से आवे? यहां दुख बहुत है। बाकी सुख अल्प काल का है [illegible] बड़े २ आदमी हैं परन्तु उन्हें को भी दुख ही दुख है। इस समय जो गरीब है सब से अच्छा है। बाप आते ही हैं गरीबों को शाहुकार बनाने। दान भी गरीबों को करना होता है। सभी साधारण हैं ना। बाकी जो लखपति हैं जैसे बिड़ला है करोड़ रूपया है कितना भी समझाओ अपने धन की कितनी मगरूरी रहती है। बाबा कहते हैं ऐसे को क्या धन देना है। मैं तो हूँ ही गरीब निवाज़। ऐसी कन्याएं माताएं ही लेती हैं। कन्या का कितना मान है। सब पूजते हैं शादी करने से ही पुजारी बन जाती। हम आधा कल्प पूज्य थे फिर पुजारी बने हैं। कन्या तो इसी ही जन्म में पुजारी बन जाती। कुमारी पावन है। शादी करने से पतित पुजारी बन पड़ती। ~~पतित को भी~~ पति को भी परमेश्वर समझ माथा टेकेगी। उनके आगे दासी हो कर रहती है। तो बाप आए इन सब दुखों से छुड़ाते हैं। बच्चे चोटी को पाते जाते हैं। तुम समझा सकते हो हम प्रजा पिता ब्रह्मा के औलाद हैं। शिव के पोत्रे हैं। उनकी मिलकियत पर हमारा हक लगता है। उनकी मिलकियत है बेहद की विश्व का मालिक बनाते हैं। उनका फरमान है बच्चे मामेकम् याद करो। तो मैं [illegible] कहता हूँ तुम नारी से लक्ष्मी बनेंगे। इस में कुछ भी व्रत नियम करना भूख मरना नहीं है। आगे तो तुम बहुत व्रत रखते थे। रोज़ खाना नहीं खाते थे। समझते हैं व्रत नियम रखने से वैकुण्ठपुरी में चले जावेंगे। वास्तव में सच्चा व्रत यह है पवित्र रहने का। वो तो हठ से भूख मरते हैं। तुम बच्चों को कुछ भी भूख हड़ताल आदि ना करना है। हां तुमको तो पावन बनने की ही हड़ताल करनी है। हम सबको पावन बनावेंगे। तुम्हारा धन्धा ही यह है बाकी निरजल रहना वा खाना ना खाना इससे कुछ होता नहीं। तुम सिर्फ पवित्रता की प्रतिज्ञा करो। जिनका पति मर गया है वह तो और ही सौभाग्य शाली हैं। पति होता तो बहुत बन्धन पड़ते। समझाया जाता है अच्छा हुआ वो मर गया। यह पतियों का पति तो तुमको स्वर्ग का मालिक बनाते हैं। माताओं को पति मरने से बहुत दुख होता है। उन्हों को भी जाए समझाना चाहिए अब तो पतियों का पति आया हुआ है। वो कहते हैं मुझे याद करो तो तुम स्वर्ग का मालिक बनेंगे। यह तो पतियों का पति, बापों का बाप है। पति मरे और यहां आ जाए तो और ही खुशी में ताली बजावेंगी। अच्छा हुआ। नहीं तो विश्व बिगर छोड़ता नहीं। किसका पति मरे तो उनको भी जाकर समझाना चाहिए। पुरुष तो झट दूसरी जुत्ती खरीद लेते हैं। स्त्री को ज्ञान समझाए शिव बाबा से सगाई करानी चाहिए। अखबारों में तो पड़ता है समझाना चाहिए तुम रोती क्यों हो? सतयुग में कब रोते नहीं। यहां तो रोते रहते हैं। भारत में सत्या २ देवताओं का दैवी राज्य था। अभी तो एक दो मारते कूटते रहते। आसुरी राज्य है ना। L.N का चित्र बहुत अच्छा है इन में सारा सार है। त्रिमूर्ति भी L.N भी राधे कृष्ण भी है यह चित्र भी कोई रोज़ देखता रहे तो याद रहे शिव बाबा ब्रह्मा द्वारा हमको यह बना रहे हैं। घर में भी छोटे २ चित्र बनाए रख दो। बेहद के बाप को जानने से तुम २१ जन्म जन्म

[illegible]